मर्दानी 3 का ट्रेलर देखकर अभिभूत हैं स्मृति मंधाना

भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी स्मृति मंधाना फिल्म 'मर्दानी 3 का ट्रेलर देखकर अभिभूत हो गयी हैं.

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 के ट्रेलर में हर भारतीय बच्ची को बचाने का जो सशक्त संदेश दिया गया है, उसने कई लोगों को गहराई से छुआ है. स्मृति मंधाना ने कहा कि वह मर्दानी 3 की थीम से गहराई से जुड़ती हैं क्योंकि लड़कियों पर होने वाले कई अत्याचार अक्सर बिना कहे ही रह जाते हैं.

स्मृति ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'एक छोटी लड़की की जिंदगी अमूल्य होती है. लड़कियां बहुत कुछ सहती हैं, बहुत कुछ देखती हैं और अक्सर चुपचाप सहन करती हैं. हर बच्ची की सुरक्षा राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए क्योंकि जब समाज लड़कियों के लिए सुरक्षित होता है, तो वे आगे बढ़ती हैं, सपने देखती हैं और न सिर्फ़ अपने लिए बल्कि अपने परिवार और अपने देश के लिए भी जीतती हैं. '

स्मृति ने लिखा, 'मर्दानी 3 का ट्रेलर देखकर मैं अभिभूत हूँ और मैं बस यही प्रार्थना करती हूँ कि हम सब एक देश के रूप में मिलकर हर लड़की, हर महिला की रक्षा करें क्योंकि जो समाज किसी लड़की के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता, वह समाज कहलाने लायक नहीं होता. आइए मिलकर एक सुरक्षित राष्ट्र का निर्माण करें. '

अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, मर्दानी आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गयी है. इसी फिल्म के साथ रानी मुखर्जी अपने गौरवशाली करियर के 30 वर्ष भी पूरे कर रही हैं.

69 वर्ष के हुए जैकी श्रॉफ

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता जैकी जैकी श्रॉफ आज 69 वर्ष के हो गये.

जैकी श्रॉफ का जन्म 01 फरवरी 1957 को हुआ. उनका मूल नाम जयकिशन काकुभाई श्रॉफ है.वह मुंबई के वालकेश्वर इलाके में तीन बत्ती की एक चाल में रहा करते थे.फ़िल्मों में आने से पहले इन्होंने कुछ विज्ञापनों में एक मॉडल के रूप में काम किया.अभिनेता और मॉडल बनने से पहले जैकी को जग्गु दादा के नाम से जाना जाता था.देवआनंद की फिल्म 'स्वामी दादा' (1982) की शूटिंग देखने जब जैकी श्रॉफ वहां पहुंचे तो वह भीड़ में अलग ही नजर आ रहे थे.

देव साहब की नजर जैकी पर पड़ी. उन्होंने जैकी को बुलाया और एक छोटा सा रोल करने के लिए कहा.जैकी मान गए और इस तरह से पहली बार वे बड़े परदे पर नजर आएं. इस दौरान सुभाष घई की नजर जैकी श्रॉफ पर पड़ी जो उन दिनों हीरो बनाने की तैयारी कर रहे थे.

सुभाष घई को अपनी फिल्म हीरो के लिये रफ टफ छवि वाले कलाकार की जरूरत थी और उन्होंने जैकी श्रॉफ को हीरो के लिये चुन लिया. वर्ष 1983 में प्रदर्शित फिल्म हीरो में जैकी श्राफ ने एक मवाली गुंडे की भूमिका निभायी. फिल्म में उनका किरदार ग्रे शेड्स लिये हुये था बावजूद वह दर्शकों का प्यार हासिल करने में सफल रहे. हीरो टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी.वर्ष 1986 में जैकी श्रॉफ को एक बार फिर से सुभाष घई के साथ कर्मा में काम करने का अवसर मिला. यूं तो यह फिल्म पूरी तरह दिलीप कुमार पर आधारित थी लेकिन उनके अभिनय को भी दर्शकों ने बेहद पसंद किया. इस फिल्म में जैकी श्राफ और अनिल कपूर की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया.

वर्ष 1987 में प्रदर्शित फिल्म काश जैकी श्रॉफ के करियर की उल्लेखनीय फिल्मों में शामिल की जाती है. इस फिल्म के पहले धारणा थी कि जैकी केवल मारधाड़ और एक्शन से भरपूर फिल्म में हीं काम कर सकते है लेकिन इस फिल्म में उन्होंने संजीदा किरदार निभाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया. वर्ष 1989 जैकी श्रॉफ के करियर के लिये महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुया. इस वर्ष उनकी त्रिदेव, राम लखन और परिन्दा जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुयी. परिन्दा के लिये उनको दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्म फेयर पुरस्कार दिया गया. वहीं सुभाष घई की फिल्म राम लखन में एक बार फिर से जैकी और अनिल कपूर की जोड़ी ने दर्शकों का दिल जीत लिया.

वर्ष 1993 में प्रदर्शित फिल्म 1942 ए लव स्टोरी और वर्ष 1995 में प्रदर्शित फिल्म रंगीला के लिये उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया. जैकी श्रॉफ के करियर में उनकी जोड़ी मीनाक्षी शेषाद्री और माधुरी दीक्षित के साथ काफी पसंद की गयी.

अपना हर जन्मदिन वैष्णो धाम में मनाती हैं संदीपा धर

अभिनेत्री संदीपा धर अपना हर जन्मदिन वैष्णो धाम में माता वैष्णो देवी का दर्शन कर मनाती हैं. संदीपा धर के लिए जन्मदिन सिर्फ़ जश्न और केक तक सीमित नहीं होता. वह हर साल अपने जन्मदिन की शुरुआत माता वैष्णो देवी के दर्शन से करती हैं. यह उनके लिए एक निजी और खास परंपरा है, जिससे उन्हें सुकून और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है. दो फ़रवरी को संदीपा का जन्मदिन है.

संदीपा का मानना है कि यदि नए साल की शुरुआत भगवान के आशीर्वाद से हो, तो आगे का सफ़र बेहतर रहता है. वैष्णो देवी की यह यात्रा उन्हें मानसिक शांति, आत्मबल और साफ़ सोच देती है, फिर चाहे बात ज़िंदगी की हो या करियर की. फ़िल्म इंडस्ट्री की भागदौड़ और लगातार बदलते माहौल के बीच, आस्था उनके लिए एक सहारा और संतुलन बनाए रखने का ज़रिया है.

हालांकि इस साल यह जन्मदिन संदीपा के लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि वह अपने करियर के एक अहम दौर में हैं. उनकी आने वाली फिल्म 'दो दीवाने सेहर में'' जल्द रिलीज़ होने वाली है और कई ओटीटी प्रोजेक्ट्स भी जल्द सामने आनेवाले हैं. ऐसे समय में वह इस नए फेज़ की शुरुआत ख़ास तौर से भगवान के आशीर्वाद के साथ करना चाहती हैं. गौरतलब है कि फिल्मों के साथ वेब सीरीज़ और डांस से जुड़े प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकी संदीपा धर ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग पहचान बनाई है. उनके जन्मदिन रिच्युअल्स यह भी दिखाते हैं कि वह लगातार आगे बढ़ते हुए भी आस्था, अनुशासन और आभार को कितना महत्व देती हैं.

टेलीविजन हलचल

ज़ी ने लॉन्च किया 'दिलफ्लुएंसर मोमेंट्स'

भारत की अग्रणी कंटेंट और टेक्नोलॉजी कंपनी 'जी' ने 'दिलफ्लुएंसर मोमेंट्स' लॉन्च करने की घोषणा की. यह एक नया तरीका है, जिसके जरिए ब्रांड एक साथ कई स्क्रीन और अलग-अलग मंचों पर लोगों तक आसानी से पहुंच सकेंगे और अपनी अलग पहचान बना पाएंगे.भारतीय विज्ञापन जगत में तेजी से बदलाव आया है. अब मीडिया तक पहुंच आसान हो गई है और छोटे-बड़े सभी ब्रांड आसानी से विज्ञापन की जगह खरीद सकते हैं. लेकिन इसी वजह से एक नई मुश्किल खड़ी हो गई है इतने सारे विज्ञापनों के बीच अलग कैसे दिखें? दिलफ्लुएंसर मोमेंट्स' इसी जरूरत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है.

सेटबैक-टू-कमबैक यात्रा डॉ. आरंभी

डॉ. आरंभी 'अपना जीवन दूसरों का पोषण करने और दूसरों के घावों को भरने में बिताती हैं, जबकि चुपचाप अपनी पहचान को खत्म होने देती हैं. व्यक्तित्व को फिर से हासिल करने के लिए एक शक्तिशाली नई आवाज लाते हुए, कलर्स अपने नए शो, 'डॉ. आरंभी' के साथ साहस, दूसरे मौके और आत्म-सम्मान को बचाए रखने का जीवन रक्षक डोज पेश करता है. यह दिलचस्प सेटबैक-टू-कमबैक ड्रामा प्यार, शादी और महत्वाकांक्षा की परतों को खोलकर दिखाता है कि किसी के जीवन को फिर से शुरू करने और अंदर से ठीक होने के लिए वास्तव में क्या चाहिए. कभी एक मशहूर गोल्ड मेडलिस्ट और एआईपीएमटी टॉपर, डॉ. आरंभी बलबीर चौधरी का भविष्य उम्मीदों से भरा था. 'आदर्श' बहू, माँ और ट्रॉफी पत्नी के रूप में ढाली गई, उसे यह विश्वास दिलाया जाता है कि एक महिला का सबसे बड़ा गुण दूसरों के लिए खुद को कर्तव्यनिष्ठा से मिटा देना है.जब जीवन एक बड़ा झटका देता है, तो आरंभी को दूसरों की सेवा में खुद की उपेक्षा पर बने जीवन की कीमत का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है. लेकिन टूटने के बजाय, वह पलटवार करती है - अपनी कहानी की हीरो बनने का फैसला करती है.

एण्डटीवी पर होगा कॉमेडी का धमाका !

एण्डटीवी अपने दर्शकों के लिए लेकर आ रहा है मनोरंजन से भरपूर एक खास हफ्ता, जहां घोस्ट ड्रामा, जबरदस्त कॉमेडी और इमोशनल ट्विस्ट एक साथ देखने को मिलेंगे. 'घरवाली पेड़वाली', 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' और 'हप्पू की उलटन पलटन' के आने वाले एपिसोड्स में सस्पेंस, हंसी और हाई वोल्टेज ड्रामा का तड़का लगने वाला है. इस मनोरंजन की अगुवाई कर रहा है 'घरवाली पेड़वाली', जहां छुपे हुए भूत, खतरनाक खुलासे और उलझे रिश्ते जीतू की जिंदगी को और भी अराजक बना देते हैं. भूतों के वश में आने, गुप्त मंदिर यात्रा की योजनाओं, भावनात्मक टकराव और चौंकाने वाले ट्विस्ट के साथ आने वाले एपिसोड हंसी, सस्पेंस और हाई वोल्टेज ड्रामा से भरपूर होंगे.

सिद्धांत चतुर्वेदी की महत्वाकांक्षा की कहानी

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने अब तक के सफ़र को याद करते हुए अपनी ज़िंदगी के शुरुआती दौर के बारे में खुलकर बात भी की है.

संजय लीला भंसाली के बैनर तले आने वाली फ़िल्म 'दो दीवाने सेहर में' को लेकर सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों ख़ास चर्चा में हैं. इसी बीच उन्होंने अपने अब तक के सफ़र को याद करते हुए 2008 के स्कूल फ़ेयरवेल की एक पुरानी तस्वीर शेयर की है और अपनी ज़िंदगी के शुरुआती दौर के बारे में खुलकर बात भी की है.

सिद्धांत ने लिखा है कि वर्ष 2008 में उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि 18 साल बाद ज़िंदगी उन्हें यहाँ तक ले आएगी. उस समय वे भीड़ में चुपचाप अपने सपनों को छुपाए हुए थे. क्लास में जहां ज़्यादातर बच्चे इंजीनियर, डॉक्टर या एस्ट्रोनॉट बनने की बात करते थे, वहीं हिम्मत के अभाव में अभिनेता बनने का सपना उन्होंने भीतर ही भीतर संजोया हुआ था.उन्होंने बताया कि इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी छोड़ने जैसा बड़ा फ़ैसला लिया. इसके बाद ऑडिशन की लंबी कतारें, इंतज़ार और कई रिजेक्शन उनके सफर का हिस्सा रहीं.

सिद्धांत ने लिखा कि आज उन्हें जब भंसाली सर के बैनर तले काम करने का मौका मिला है, तो यह उनके लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं है.उन्होंने कहा कि इस रास्ते में कई लोग उनके साथ जुड़े. कई बीच रास्ते ही उनका भरोसा तोड़कर चले गए, लेकिन उनका मानना है कि सपने उनके हैं, तो सपनों का बोझ उठाना भी उनकी अपनी ज़िम्मेदारी है. हालांकि अपने फ़ैसलों को लेकर लोगों ने उन्हें कभी घमंडी तो कभी ज़रूरत से ज़्यादा आत्मविश्वासी कहा, लेकिन सिद्धांत इसे अपनी महत्वाकांक्षा की रक्षा मानते हैं.

कुब्रा सैत ने मनाया फ़िल्म 'देवा' के एक साल पूरे होने का जश्न

बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत ने फ़िल्म 'देवा' के एक साल पूरे होने का जश्न मना रही हैं.

फिल्म 'देवा' की रिलीज़ को एक साल पूरा होने पर कुब्रा सैत उस प्रोजेक्ट को याद कर रही हैं जिसने उन्हें गहराई से चुनौती दी और एक कलाकार ही नहीं, एक इंसान के तौर पर भी उन्हें गढ़ा. फ़िल्म की पहली सालगिरह के मौके पर कुब्रा उस सफ़र पर नज़र डाल रही हैं, जिसने वास्तविक लोकेशन्स में लंबे शूटिंग दिनों के साथ उनके भावनात्मक धैर्य की परीक्षा ली और उन्हें आगे बढ़ने में सहयोग दिया.

कुब्रा ने कहा, ' फ़िल्म देवा ने मुझे थोड़ा तोड़ा और बहुत कुछ बना दिया. 'देवा' की शूटिंग लगभग एक साल चली, जिसमें इंतज़ार, चीज़ों को समझने की कोशिश और असली थकान से जूझना शामिल था. लेकिन एक सच ये भी है कि मुश्किल हालात अजीब तरह से आप पर काम करते हैं. वे आपको मज़बूत बनाते हैं, गहरे रिश्ते बनाते हैं और खुद के साथ एक सशक्त रिश्ता बनाने के लिए मजबूर करते हैं. '

'देवा' के एक साल पूरे होने के साथ यह फ़िल्म कुब्रा के लिए इसलिए भी ख़ास है क्योंकि यह 2025 की उनकी पहली थिएट्रिकल रिलीज़ रही.

यंग इंडिया

सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी में 43 नॉन-टीचिंग पदों पर भर्ती

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी ने एक शानदार अवसर प्रदान किया है. यूनिवर्सिटी ने विभिन्न नॉन-टीचिंग पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किया है. इस भर्ती अभियान के तहत कुल 43 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी, जिनमें लोअर डिवीजन क्लर्क से लेकर कॉलेज लाइब्रेरियन तक के पद शामिल हैं.

पदों का विवरण और संख्या- इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से कुल 43 रिक्त पदों को भरा जाएगा. पदों के अनुसार विवरण इस प्रकार है:
लोअर डिवीजन क्लर्क : 17 पद
अपर डिवीजन क्लर्क: 3 पद
असिस्टेंट: 15 पद
सेक्शन ऑफिसर: 1 पद
प्रोफेशनल असिस्टेंट: 1 पद
कॉलेज लाइब्रेरियन: 6 पद

शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा- इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है. क्लर्क और असिस्टेंट जैसे पदों के लिए उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट होना अनिवार्य है. वहीं, प्रोफेशनल असिस्टेंट और लाइब्रेरियन पदों के लिए लाइब्रेरी साइंस में पोस्ट ग्रेजुएशन (क्क्त) की डिग्री मांगी गई है.

कुछ पदों के लिए कंप्यूटर की जानकारी, टाइपिंग स्किल और 3 साल तक का कार्य अनुभव भी आवश्यक है. आयु सीमा की बात करें तो उम्मीदवार की अधिकतम आयु 35 वर्ष होनी चाहिए. आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के तहत आयु में छूट दी जाएगी.

चयन प्रक्रिया और वेतनमान- उम्मीदवारों का चयन एक बहु-चरणीय प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा. इसमें लिखित परीक्षा, स्किल टेस्ट और इंटरव्यू शामिल हैं. अंतिम चयन से पहले डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और मेडिकल जांच भी की जाएगी. सभी चरणों में सफल होने वाले उम्मीदवारों को ही नियुक्ति दी जाएगी.

चयनित होने पर उम्मीदवारों को पद के अनुसार वेतन मिलेगा, जो रु. 19,900 से लेकर रु. 1,82,400 प्रति माह तक हो सकता है.

हरियाणा में सिविल सर्विस के 102 पदों पर भर्ती

हरियाणा लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है. इस बार कुल 102 पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं, जिसमें ड्डस्क्क से लेकर तहसीलदार जैसे कई अहम पद शामिल हैं.

कब से शुरू होंगे आवेदन?
HPSC ने स्पष्ट कर दिया है कि ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 6 फरवरी 2026 से शुरू हो जाएगी. जो युवा इसके लिए इच्छुक हैं, उनके पास फॉर्म भरने के लिए 26 फरवरी 2026 तक का समय होगा. ध्यान रहे कि आवेदन की आखिरी तारीख और फीस जमा करने की तारीख भी 26 फरवरी ही है, इसलिए समय रहते अपना फॉर्म भर लें.

परीक्षा की तारीखें भी हुईं तय- तैयारी करने वाले छात्रों के लिए राहत की बात यह है कि आयोग ने पहले ही परीक्षा का शेड्यूल बता दिया है.

प्रारंभिक परीक्षा- 26 अप्रैल 2026 को होगी.

मुख्य परीक्षा - 27 जून से 29 जून 2026 के बीच आयोजित की जाएगी.

कौन कर सकता है अप्लाई?
अगर आपने भारत की किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन (बैचलर डिग्री) की है, तो आप इस भर्ती के लिए पूरी तरह योग्य हैं.

उम्र सीमा- 1 जनवरी 2026 के आधार पर आपकी उम्र कम से कम 18 साल होनी चाहिए. वहीं, अधिकतम उम्र 42 साल रखी गई है. हालांकि, अगर आप डीएसपी (ड्डस्क्क) के पद के लिए आवेदन कर रहे हैं, तो अधिकतम आयु सीमा 27 साल है. आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार उम्र में छूट भी दी जाएगी.

आवेदन फीस कितनी है?
आवेदन करने के लिए जनरल कैटेगरी और EWS के पुरुषों को 1000 रुपये फीस देनी होगी. वहीं, हरियाणा की सभी महिलाओं, एससी, बीसी और पूर्व सैनिकों के लिए यह फीस मात्र 250 रुपये है. दिव्यांग श्रेणी के उम्मीदवारों को कोई फीस नहीं देनी होगी. आप फीस का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या नेट बैंकिंग के जरिए ऑनलाइन कर सकते हैं.

सिलेक्शन कैसे होगा?
हरियाणा सिविल सेवा में चयन के लिए आपको 5 मुश्किल चरणों से गुजरना होगा:
प्री एग्जाम
मेंस एग्जाम
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल जांच

फॉर्म कैसे भरें?
आवेदन करने के लिए आपको HPSC की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा.

फ्री में करें टूरिज्म मार्केटिंग से जुड़े ये कोर्स

कई लोग टूरिज्म मार्केटिंग को एक अच्छा करियर ऑप्शन मानते हैं. इसमें ट्रैवल डेस्टिनेशन, होटल और एयरलाइंस का प्रमोशन किया जाता है. जिसके लिए सोशल मीडिया, ईमेल, वेबसाइट, ऑनलाइन विज्ञापनों जैसे अलग-अलग प्लेटफार्म का इस्तेमाल होता है. यदि आपको भी इस क्षेत्र में रुचि है तो आप भारत सरकार के ऑनलाइन एजुकेशन पोर्टल 'स्वयं' पर उपलब्ध मार्केटिंग से संबंधित तीन मुफ्त पाठ्यक्रमों को ज्वाइन कर सकते हैं. जिनके लिए आवेदन प्रक्रिया फिलहाल जारी है.

एडवांसेस इन टूरिज्म मार्केटिंग का फ्री कोर्स- इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट बेंगलुरू 'एडवांसेस इन टूरिज्म मार्केटिंग' नाम का पाठ्यक्रम ऑफर कर रहा है. जिसे पूरा करने में केवल 10 सप्ताह का समय लगता है. इसकी शुरुआत 12 जनवरी 2026 से हो चुकी है. उम्मीदवार 28 फरवरी तक एनरोलमेंट कर सकते हैं. परीक्षा 19 जून को आयोजित की जाएगी. यूजी और पीजी दोनों लेवल के स्टूडेंट इसे ज्वाइन कर सकते हैं. इसमें टूरिज्म मार्केटिंग फंडामेंटल्स, स्ट्रैटेजी, टूरिस्ट बिहेवियर, डेस्टिनेशन मार्केटिंग समेत कई टॉपिक्स को शामिल किया गया है.

इग्नू का फ्री कोर्स
इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी 'टूरिज्म मार्केटिंग' नाम का कोर्स ऑफर कर रहा है. जो इंग्लिश माध्यम में उपलब्ध है. इसे पूरा करने में 16 सप्ताह का समय लगता है. अंडरग्रेजुएट लेवल के स्टूडेंट्स ज्वाइन कर सकते हैं. पाठ्यक्रम 30 अप्रैल 2026 को समाप्त होगा. परीक्षा 19 जून 2026 को आयोजित की जाएगी.

नौकरी लगने के बाद ये गलतियां पड़ सकती हैं भारी

आज के समय में नौकरी पाना मुश्किल है, लेकिन उसे बनाए रखना उससे भी बड़ी चुनौती है। कारपोरेट नौकरी में प्रोफेशनल व्यवहार और अनुशासन बहुत मायने रखता है। कई बार ऑफिस में की गई आपकी छोटी गलतियां भी आपकी नौकरी के लिए खतरा बन सकती हैं।

खुद को अपडेट न रखना- दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है. हर कुछ महीनों में नई टेक्नोलॉजी और नई स्किल्स सामने आ रही हैं. अगर आप लगातार नई चीजें नहीं सीख रहे हैं, तो धीरे-धीरे आपकी वैल्यू कम होने लगती है. कोशिश करें कि समय-समय पर नई स्किल्स सीखते रहें. इससे न सिर्फ आपकी परफॉर्मेंस बेहतर होगी, बल्कि अप्रेजल और प्रमोशन के चांस भी बढ़ेंगे. नई भाषा, नई तकनीक, नई स्किल सीखना हमेशा फायदेमंद होता है.

काम को टालने की आदत- आज का काम कल पर टालना कई लोगों की आदत बन चुकी है. लेकिन ऑफिस में ये आदत आपकी सबसे बड़ी दुश्मन बन सकती है. इस आदत के कारण जब आप समय पर काम पूरा नहीं करते, तो सीनियर्स के सामने आपकी इमेज खराब होती है. बेहतर यही है कि जो भी काम मिले, उसे तय समय में पूरा करने की कोशिश करें. इससे आप भरोसेमंद बनते हैं और आपकी ग्रोथ के रास्ते खुलते हैं.

हर वक्त दूसरों की गलतियां निकालना- टीम में काम करते समय सबसे जरूरी होता है एक-दूसरे का सपोर्ट करना. लेकिन कुछ लोग हर समय दूसरों की कमियां ढूंढते रहते हैं. जब बॉस आपकी गलती बताए, तो उसे स्वीकार करना सीखें. दूसरों की गलतियां गिनाने से आप बेहतर नहीं बनते, बल्कि सीनियर्स की नजर में आपकी छवि खराब होती है. इसका सीधा असर आपके अप्रेजल और प्रमोशन पर पड़ सकता है.

बहाने बनाना- कई लोगों की आदत होती है कि दिए गए टास्क के पूरा न होने पर वे झूठे-सच्चे बहाने बनाने लगते हैं. याद रखें कि आपका रोल दिए गए टास्क को पूरा करना है. अगर टास्क पूरा करने में कोई अड़चन भी है, तो उसका बहाना बनाने के बजाय उस बाधा को दूर करने पर काम करना चाहिए.